Dainik Bhaskar (Indore), 11th September 2019, *City Bhaskar*, Page-16

आईआईटी : नए स्टूडेंट्स के मेंटर बनेंगे सीनियर्स, करेंगे हर तरह की मदद

वॉलंटियर्स के लिए आईआईटी ने कराई मेंटरशिप वर्कशॉप

वर्कशॉप में डॉ. सतसूर्या ने स्टूडेंट्स को मेंटर की भूमिका और जवाबदारियों के बारे में बताया।

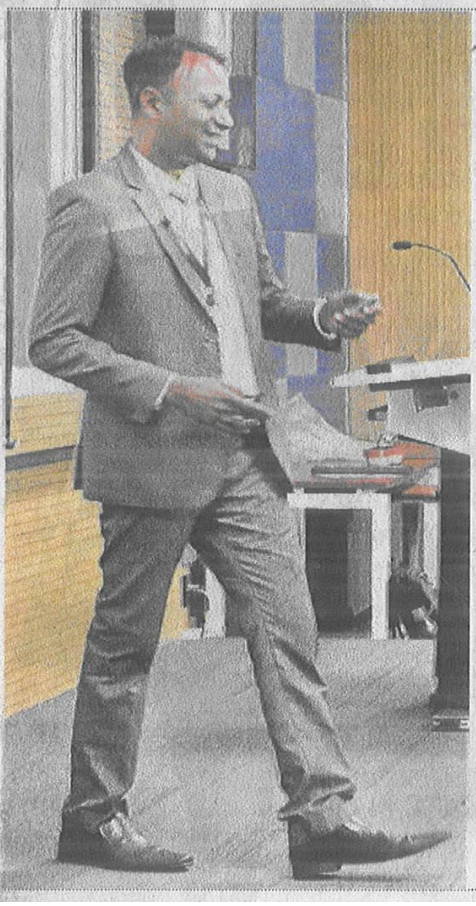

सिटी रिपोर्टर | इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) इंदौर के सेकंड ईयर स्टूडेंट्स अब फर्स्ट ईयर स्टूडेंट्स के सीनियर नहीं बल्कि मेंटर होंगे। संस्थान के स्टूडेंट मेंटरशिप प्रोग्राम में सेकंड ईयर के वॉलंटियर इसका हिस्सा बनेंगे और नए छात्रों की मेंटरिंग करेंगे। मेंटर के तौर पर उनकी भूमिका में कई काम शामिल होंगे जिनमें आईआईटी में प्रवेश लेने वाले नए स्टूडेंट्स को कैम्पस लाइफ को आसान बनाना। शुरुआती समय में आने वाली परेशानियों को सुलझाने में मदद करना। एकेडमिक प्रोग्राम्स में मदद के साथ ही पर्सनल प्रॉब्लम्स में भी मेंटर्स मदद करेंगे।

इस प्रोग्राम का मकसद नए और पुराने छात्रों में बेहतर तालमेल बनाना भी है। मेंटर बनने के इच्छुक स्टूडेंट्स के लिए एक वर्कशॉप कराई गई जिसमें नेशनल स्कूल ऑफ लीडरशिप के फाउंडर चेयरमैन डॉ. सतसूर्या ने उन्हें एक मेंटर की भूमिका और जवाबदारियों के बारे में जानकारी दी। अपने जीवन के अनुभव के आधार पर सबसे पहले डॉ. सतसूर्या ने स्टूडेंट मेंटर्स को एक व्यक्ति के जीवन में आने वाले अलग-अलग मेंटर्स की जानकारी दी और बताया कि लाइफ को एक बेहतर शेप देने में हर मेंटर किस तरह से अहम भूमिका निभाता है। स्टूडेंट मेंटर्स ने उनसे मेंटरिंग की अपनी जिम्मेदारियों, छात्रों की समस्याओं को बेहतर तरीके से संभाल पाने के विषय में जानकारी ली।